
shrI bhUtanAtha karAvalambastavaH

श्रीभूतनाथ करावलम्बस्तवः

Document Information

Text title : karAvalamba

File name : karaavalamba.itx

Category : deities_misc, stotra

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 17, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीभूतनाथ करावलम्बस्तवः



ओङ्काररूप शबरीवरपीठदीप
शङ्कार २३ग २मणीय कलाकलाप
अङ्कार वर्ण मणि,कण्ठ मडत्प्रताप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १
नक्षत्रचारुनभरप्रद निष्कण्डु
नक्षत्रनाथमुप निर्मल चित्तरङ्ग
कुक्षिस्थल स्थिरथरायर भूतसंघ
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २
मन्त्रार्थ तत्त्वनिगमार्थ मडावरिषु
यन्त्रादि तन्त्र वर वर्णित पुष्कलेष्ट
सन्त्रासितारिकुल पद्मसुभोपविष्ट
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ३
शिक्षापरायण शिवात्मजसर्वभूत
रक्षापरायण यरायरहेतुभूत
अक्षय्य मङ्गल वरप्रद चित्प्रबोध
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ४
वागीश वर्णित विशिष्ट वयोविलास
योगीश योगकर यागङ्गलप्रकाश
योगेशयोगि परमात्मछितोपदेश
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ५
यक्षेशपूज्य निधिसञ्चय नित्यपाल
यक्षीश कांक्षित सुलक्षा लक्ष्यमूल
अक्षीण पुण्यनिज भक्तजनानुकूल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ६
स्वामिन् प्रभारमण यन्तनलिप्तदेह

यामीकराभराण्यारुतुरङ्गवाड

श्रीमद्सुराभराण्यशास्वतसमत्समूड

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ७

आताम्रडोरुचिरञ्जिताञ्जुगात्र

वेदान्तवेद्यविधिवर्णितवीर्यवेत्र

पादारविन्दपरिपावनभक्तमित्र

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ८

आलाभृतांशुपरिशोभितकृत्वापट्ट

नीलाणिपाणिघनकुन्तलदिव्यसूत्र

लीलाविनोदमृगयापरस्यरित्र

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ९

भूतिप्रदायकजगत्प्रथितप्रताप

भोतिप्रभोयकविशालकलाकलाप

ओधप्रदीपभवतापडरस्वरुप

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १०

वेताणभूतपरिवारविनोदशील

पाताणभूमिसुरलोकसुष्मानुकूल

नादान्तरङ्गनतकल्पकधर्मपाल

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ११

शार्दूलदुग्धडरसर्वरुजापडार

शास्त्रानुसारपरसात्विकलृद्धिडार

शस्त्रास्त्रशक्तिधरमौक्तिकमुग्धडार

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १२

आदित्यकोटिरुचिरञ्जितवेदसार

आधारभूतभुवनैकछितावतार

आधिप्रमाथिपदसारसपापदूर

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १३

पञ्चाद्रिवासपरमाद्भुतभावनीय

पञ्चावतंसमकुटोज्ज्वलपूजनीय

वाञ्छानुकूलवरदायकसत्सहाय

श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १४


हिसाविडीनशरणागतपारिजात


संसारसागर समुत्तरणैकपोत
हंसादिसेवितविभो परमात्मभोध
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १५
कुम्भीन्द्रकेसरितुरङ्गावाह तुङ्ग-
गंभीर वीरमणिकण्ठ विमोहनाङ्ग
कुंभोत्तमवाहिवरताप सञ्चितरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १६
सम्पूर्णं भक्तवर सन्ततिदान शील
सम्पत्सुभप्रद सनातन गानलोल
सम्पूरिताभिल यरायर लोकपाल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १७
वीरासनस्थित विशित्रवनाधिवास
नारायणप्रिय नटेश मनोविलास
वाराशिपूर्णा करुणामृत वाग्विकास
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १८
क्षिप्रप्रसादक सुरासुरसेव्यपाद
विप्राहिवन्धित वरप्रद सुप्रसाद
विभ्राजमान मणिकण्ठ विनोदभूत
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १९
कोटीरथारुतर कोटिद्विवाकराभ
पाटीरपङ्ककणभप्रिय पूर्णशोभ
वाटीवनान्तर विहारविचित्ररूप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २०
दुर्वारदुःखहृद दीनजनानुकूल
दुर्वास आधरुषिवरार्थितपादमूल
दर्वीकरेन्द्रमणिकण्ठ धर्मपाल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २१
नृत्ताभिरभ्य निगमागम साक्षिभूत
भक्तानुगम्य परमात्मतु लृत्प्रभोध
सत्तापसार्वित सनातन भोक्षभूत
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २२
कन्दर्पकोटि कमनीयतरावतार

मन्दार कुन्ड सुमपृन्ड मनोझाडार
मन्दाकिनीतटविडार विनोदपूर
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २३
सत्कीर्तनप्रिय समस्तसुराधिनाथ
सत्कुमारसाधु लृढ्याम्बुज सन्निकेतन
सत्कीर्तिसौभ्य वरदायक सत्किरात
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २४
ज्ञानिप्रपूजित पदाम्बुज भूतिभूष
दीनानुकंपित दयापर दिव्यवेष
ज्ञानस्वरूप वरयाक्षुष वेदघोष
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २५
नादान्तरङ्ग वरमङ्गलनृत्तरङ्ग-
पादारविन्द कुसुमायुधकोमलाङ्ग
मातङ्गकेसरितुरङ्गमवाडतुरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २६
ब्रह्मस्वरूप भवरोगपुराणवैद्य
धर्मार्थकामवरमुक्तिद वेदवेद्य
कर्मानुकूलकृलदायक चिन्मयाद्य
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २७
तापत्रयापडर तापसलृद्धिडार
तापिञ्छ चारुतरगात्र किरातवीर
आपादमस्तकलसन्मणिमुग्धडार
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २८
चिन्तामणिप्रथित भूषणभूषिताङ्ग
दन्तावलेन्द्रलरिवाडन मोडनाङ्ग
सन्तानदायक विभो करुणान्तरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २९
आरुण्यवासवरतापस बोधरूप
कारुण्यसागर कलेश कलाकलाप
तारुण्यतामरसलोथन लोडदीप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ३०
आपादय्यारुतरकामसमाभिराम

शोभायमान सुरसञ्चयसार्वभौम
श्रीपाण्ड्यपूर्वसकृतामृत पूर्णधाम
श्री भूतनाथ मम देखि करावलम्बम् ॥ ३१
इति श्री भूतनाथ करावलम्बस्तवः सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

——
shrI bhUtanAtha karAvalambastavaH
pdf was typeset on December 17, 2022

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

